

शमलोदभिद् पुं. (तत्.) वे जानवर जो दूसरे जानवरों के मल, अवशेष को खाते हैं।

शमशाद पुं. (फा.) एक लंबा, सुंदर वृक्ष, सर्व का वृक्ष, जो सीधा होता है और जिससे नायिका के कद की उपमा दी जाती है।

शमशीर पुं. (फा.) तलवार, शमशेर, असि, कृपाण, खड्ग।

शमशेर पुं. (फा.) तलवार, शमशीर, असि, कृपाण, खड्ग।

शमांतक पुं. (तत्.) 1. मानसिक शांति का नाशक 2. कामदेव।

शमा स्त्री. (फा.) 1. मोमवत्ती 2. दीपक, चिराग।

शमि पुं. (तत्.) 1. सफेद कीकर का वृक्ष 2. यज्ञ 3. शमी वृक्ष स्त्री. शिंभा नामक धान्य।

शमित वि. (तत्.) 1. जिसका शमन किया गया हो 2. शांत 3. विश्राम दिया गया 4. चिकित्सा की गई 5. भारविमुक्त किया गया 6. धीमा किया गया 7. प्रसन्न किया गया।

शमिर पुं. (तत्.) शमी की जाति का एक छोटा वृक्ष।

शमी पुं. (तत्.) एक वृक्ष (कहा जाता है कि इसकी लकड़ियों के भीतर आग रहती है, जो रगड़ने पर प्रकट होती है) 2. सफेद कीकर का वृक्ष 3. फली वाला वि. शांत, आत्मसंयमी, जितेंद्रिय 4. फली, छीमी, सेम।

शमीक पुं. (तत्.) प्रसिद्ध ऋषि, तपस्या करते हुए इनके गले में राजा परीक्षित ने मरा हुआ साँप डाल दिया था।

शमीगर्भ पुं. (तत्.) अग्नि, अग्निहोत्री, ब्राह्मण।

शमीधान्य पुं. (तत्.) वह अनाज जो फलियों में से निकलता है जैसे- मटर, मूंग अरहर आदि।

शमीर पुं. (तत्.) शमी वृक्ष दे. शमिर।

शम्स पुं. (अर.) सूर्य।

शम्सी वि. (अर.) 1. सूर्य संबंधी 2. सूर्य के चक्र से संबंधित जैसे- शम्सी साल सौर वर्ष।

शयंड वि. (तत्.) बहुत सोने वाला, निद्रालु, जिसे नींद आई हो।

शयंडक पुं. (तत्.) गिरगिट।

शय स्त्री. (तत्.) वस्तु, द्रव्य, पदार्थ पुं शय्या 2. निद्रा 3. साँप 4. हाथ 5. दाँव 6. शाप 7. भर्त्सना।

शयत पुं. (तत्.) निद्रालु व्यक्ति।

शयथ पुं. (तत्.) 1. गाढ़ निद्रा 2. मृत्यु 3. सर्प 4. शकूर 5. मछली 6. यमराज वि. निद्रालु।

शयन पुं. (तत्.) 1. निद्रा, सोना 2. शय्या, खाट, चारपाई।

शयन आरती स्त्री. (तत्.) रात्रि में देवताओं के शयन के समय की जाने वाली आरती।

शयन एकादशी स्त्री. (तत्.) आषाढ़ शुक्ला एकादशी (इस तिथि को भगवान विष्णु का शयन काल आरंभ होता है, हरिशयनी एकादशी भी कहा जाता है)।

शयन कक्ष पुं. (तत्.) सोने का कमरा, शयनागार, शयनगृह।

शयनगृह पुं. (तत्.) शयन करने का भवन, शयन कक्ष, शयनागार।

शयनपालिका स्त्री. (तत्.) शयन की रक्षिका।

शयन भूमि स्त्री. (तत्.) सोने का स्थान।

शयनमंदिर पुं. (तत्.) शयनकक्ष, शयनागार, शयनगृह।

शयनासन पुं. (तत्.) सोने के लिए बना आसन, पलंग, चारपाई, बिछौना।

शयनिका स्त्री. (तत्.) 1. शयनागार 2. रेलगाड़ी का वह डिब्बा जिसमें यात्रियों के सोने की व्यवस्था रहती है।

शयनेकादशी स्त्री. (तत्.) दे. आषाढ शुक्ल एकादशी, चातुर्मास्य का प्रारंभ।

शयांड पुं. (तत्.) एक जनपद।

शयांडक पुं. (तत्.) गिरगिट।